कक्षा - 12

# भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय - 9

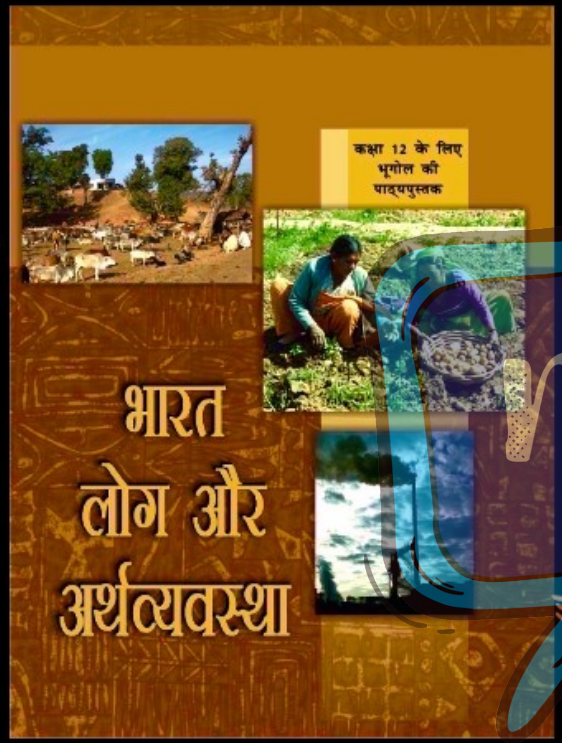
## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

भाग - 4

पंकज वैष्णव

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




## विषय-सूची


| | | |
|---|---|---|
| | आमुख | iii |
| | पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन | v |
| | **इकाई I** | |
| 1. | जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन | 1-14 |
| | **इकाई II** | |
| 2. | मानव बस्तियाँ | 15-20 |
| | **इकाई III** | |
| 3. | भूसंसाधन तथा कृषि | 21-40 |
| 4. | जल-संसाधन | 41-52 |
| 5. | खनिज तथा ऊर्जा संसाधन | 53-64 |
| 6. | भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास | 65-73 |
| | **इकाई IV** | |
| 7. | परिवहन तथा संचार | 74-83 |
| 8. | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | 84-92 |
| | **इकाई V** | |
| 9. | भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ | 93-103 |
| | परिशिष्ट | 104-111 |
| | शब्दावली | 112 |
| | संदर्भ पुस्तकें | 113-114 |


© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ✗
C-3 : मानव विकास ✗
C-8 : निर्माण उद्योग ✗

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# मुद्दे एवं समस्याएँ

1. प्रदूषण :- जल / वायु / ध्वनि
2. नगरों में अनियोजित विस्तार
3. प्रवास → ग्रामीण → शहरी
4. गंदी बस्तियों की समस्या
5. भूमि - निम्नीकरण

mg
missiongyan

## गंदी बस्तियों की समस्याएँ

- नगरीय एवं ग्रामीण बस्तियाँ अपने कार्यों में भिन्न होती हैं और कई बार वे एक-दूसरे के पूरक होती हैं।
- नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र अलग-अलग सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं प्रौद्योगिक वातावरण में विकसित होती हैं

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

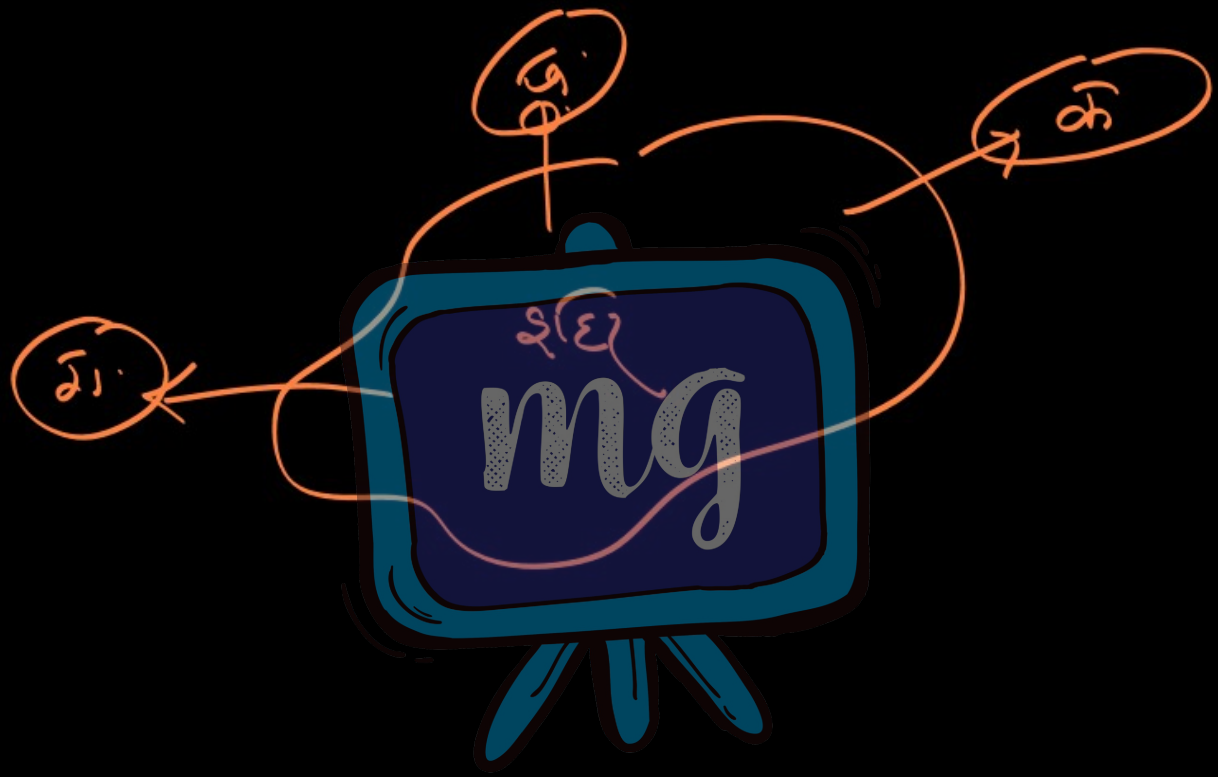
## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- भारत में ग्रामीण-जनसंख्या अधिक
  (2011 में ग्रामीण-जनसंख्या लगभग 69%)

→ 69% ग्रामीण
→ 31% शहरी

- अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र अभी भी गरीब
  (प्राथमिक क्रियाकलापों में संलग्न)
- अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र, नगरीय क्षेत्रों के परिशिष्ट के रूप में (पृष्ठप्रदेश की रचना)

गाँवों को महात्मा गांधी ने आदर्श गणतंत्र माना था


mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

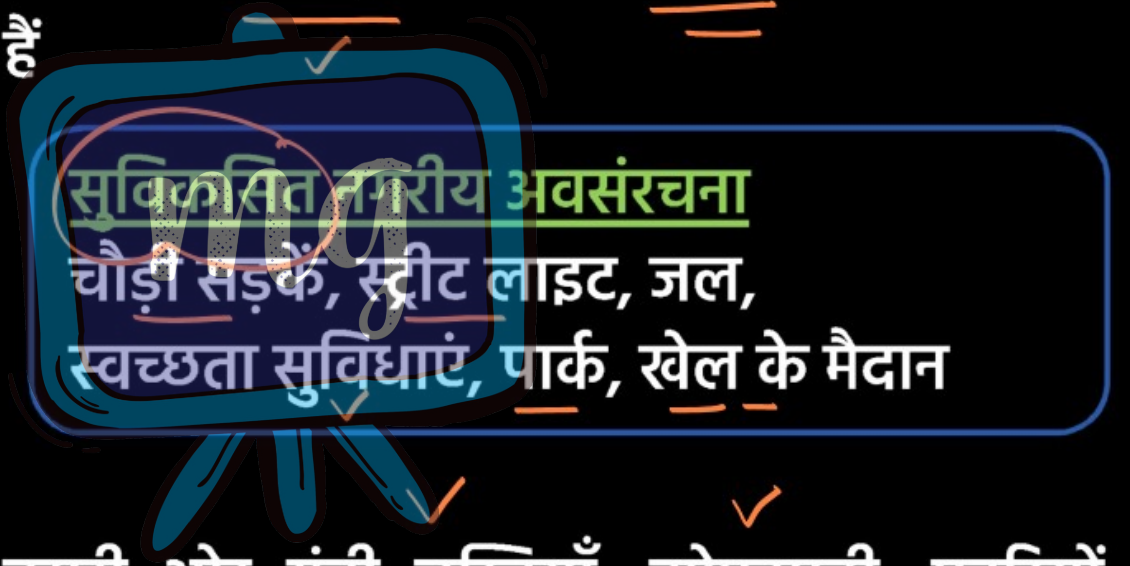
- ऐसा लगता है कि नगरीय-केंद्र ग्रामीण-क्षेत्रों के विपरीत अभेदीकृत एवं एकरूप इकाइयाँ हैं
- जबकि, भारत में नगरीय-केंद्र सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं विकास के आधार पर कहीं अधिक विविधतापूर्ण हैं।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- एक ओर फार्म-हाउस तथा उच्च-आय वर्ग की बस्तियाँ हैं




- दूसरी ओर, गंदी बस्तियाँ, झोपडपट्टी, पटरियों के किनारे बने ढाँचे हैं।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- इनमें वे लोग रहते हैं जिन्हें आजीविका की खोज में ग्रामीण-क्षेत्रों से नगरीय-क्षेत्रों में प्रवासित होने के लिए विवश होना पड़ा या वे ऊँचे-किराए और ज़मीन की ऊँची कीमत के कारण अच्छे आवासों में नहीं रह पाते।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- गंदी-बस्तियाँ न्यूनतम वांछित आवासीय क्षेत्र होते हैं जहाँ जीर्ण-शीर्ण मकान, खुली हवा का अभाव, स्वास्थ्य की निम्न सुविधाएँ, आधारभूत आवश्यक चीज़ों (पेयजल, बिजली, शौच सुविधाओं) का अभाव पाया जाता है।

खुले में शौच, अनियमित जल निकासी व्यवस्था, भीड़-भरी संकरी सड़कें, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समस्याएँ

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- इसके अतिरिक्त गंदी बस्तियों की अधिकांश जनसंख्या नगरीय-अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्र में कम वेतन और अधिक जोखिम भरा कार्य करते हैं।

- परिणामस्वरूप ये लोग अल्प-पोषित होते हैं; इन्हें विभिन्न रोगों और बीमारियों की संभावना बनी रहती है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- ये लोग अपने बच्चों के लिए उचित-शिक्षा का खर्च भी वहन नहीं कर सकते
- गरीबी उन्हें नशीली-दवाओं, शराब, अपराध, गुंडागर्दी, पलायन, उदासीनता और अंततः सामाजिक-बहिष्कार के प्रति उन्मुख करती है

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

स्वच्छ भारत मिशन शहरों के नवीकरण का एक हिस्सा है जिसे भारत सरकार ने शहरी गंदी बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शुरु किया है।

ipca
A dose of life

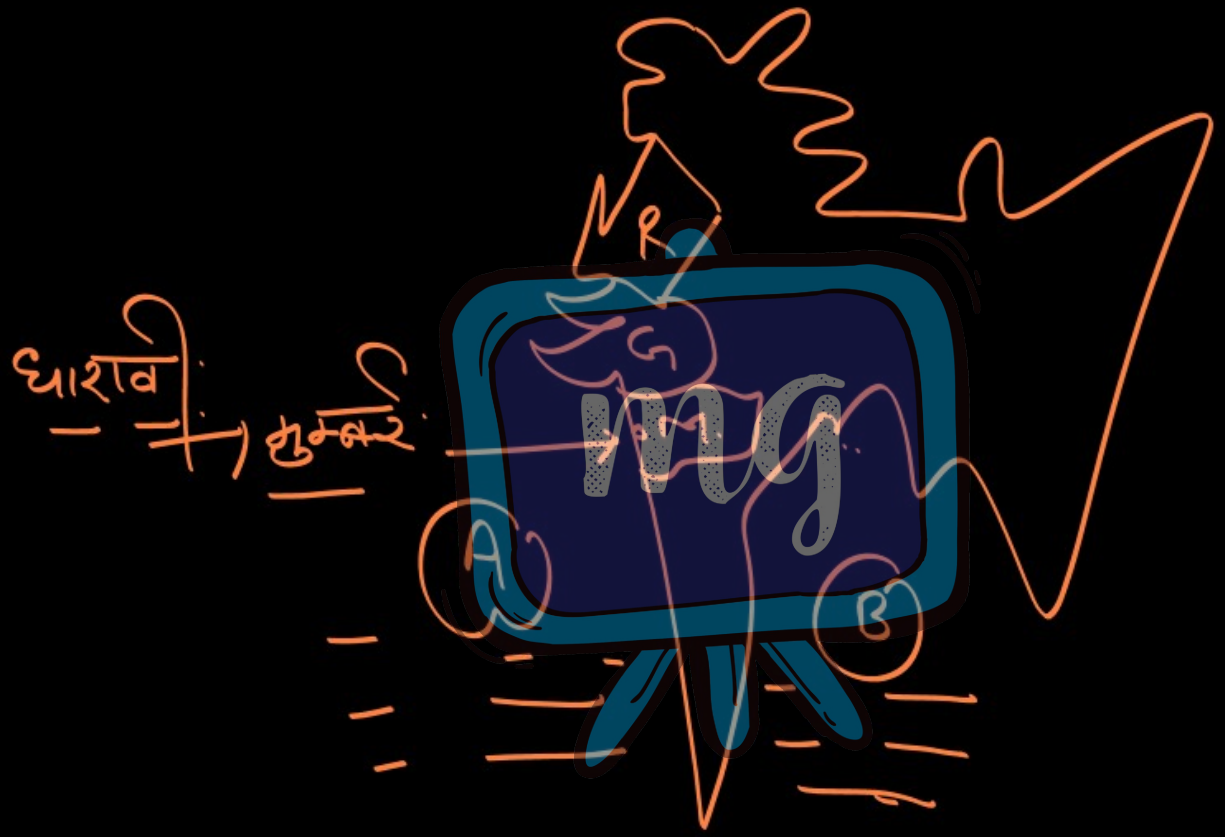
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## धारावी - एशिया की विशालतम गंदी बस्ती (स्लम)



- धारावी सेंट्रल-मुंबई का एक हिस्सा है
  (कचरे से भरी जगह पर)
- तिपहिया वाहनों का प्रवेश निषेध है
- ऑटो रिक्शा भी उसके अंदर नहीं जा सकते
- बसें सिर्फ़ बस्ती की परिधि से गुज़रती हैं


धारवी
झुम्बरे
R
A
B

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- इस गंदी बस्ती से केवल एक मुख्य सड़क गुज़रती है
- इसे 'नाइंटी फुट रोड' के गलत नाम से जाना जाता है
- कुछ एक गलियाँ एवं पगडंडियाँ इतनी सँकरी हैं कि वहाँ से एक साईकिल का गुज़रना भी मुश्किल है

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

धारावी



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- समूची बस्ती में अस्थायी-निर्माण के भवन हैं
- कुछ भवन 2-3 मंज़िल ऊँचे है
  उनमें जंग लगी लोहे की सीढ़ियाँ हैं
- एक ही कमरे को किराए पर लेकर पूरा परिवार रहता है।

  (कई बार तो एक कमरे में 10-12 लोग रहते हुए देखे जा सकते हैं)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- धनाढ्य मुंबई के निर्माण में धारावी की भूमिका है।
- मूल्यवान एवं उपयोगी सामान बनाए जाते है

धारावी से मृत्तिका शिल्प (सेरेमिक्स), मिट्टी के बर्तन, कसीदाकारी का काम, चमड़े का काम, उच्च-फ़ैशन वस्त्र, उत्कृष्ट-आभूषण, फ़र्नीचर आदि भारत एवं दुनिया भर के धनाढ्यों तक जाता है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

5

## भू-निम्नीकरण

- कृषि योग्य भूमि पर दबाव
- कारण
  - सीमित उपलब्धता
  - गुणवत्ता में कमी

⇒ (भू- निम्नीकरण)



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

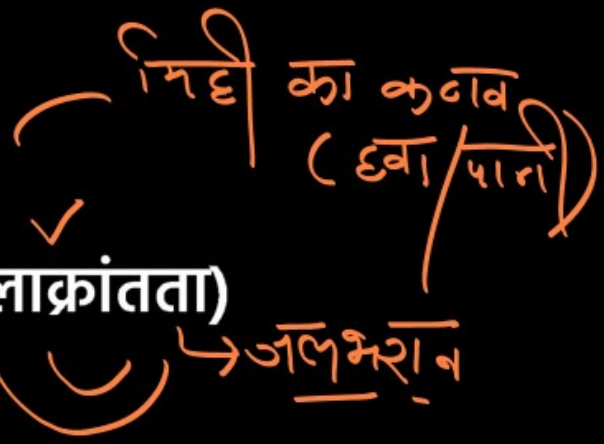
# भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ



- **भू-निम्नीकरण**

  स्थायी या अस्थायी तौर पर भूमि की उत्पादकता में कमी

- **भू- निम्नीकरण के कारण**
  - मृदा अपरदन
  - लवणता (जलाक्रांतता)



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ



- सभी निम्नकोटि-भूमियाँ व्यर्थ भूमि नहीं होती, लेकिन अनियंत्रित प्रक्रियाएँ इसे व्यर्थ-भूमि में बदल देती हैं

भू-निम्नीकरण प्राकृतिक तथा मानवजनित प्रकियाओं द्वारा तीव्रता से होता है।

- प्राकृतिक-प्रक्रियाओं की अपेक्षा मानवीय-प्रक्रियाओं द्वारा अधिक व्यर्थ-भूमि का विस्तार

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

राष्ट्रीय दूरसंवेदी केंद्र (NRSC) ने दूरसंवेदन तकनीक सहायता से व्यर्थ-भूमि को सीमांकित किया है

प्राकृतिक-खड्ड, मरुस्थलीय या तटीय रेतीली भूमि, बंजर चट्टानी-क्षेत्र, तीव्र ढाल वाली भूमि हिमानी क्षेत्र ।
(ये मुख्यतः प्राकृतिक कारकों द्वारा बनी है)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

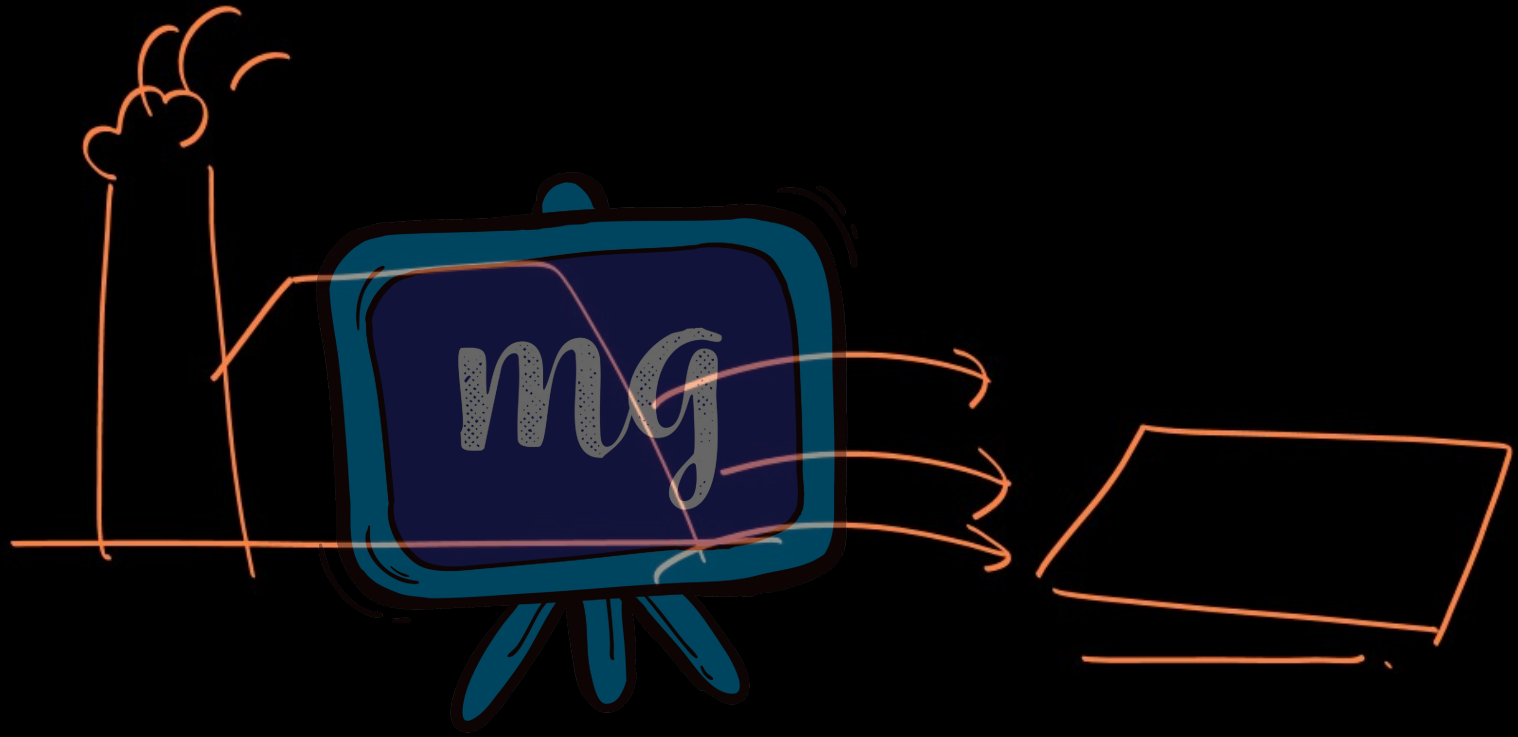
## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ




- निम्नकोटि भूमियों में जलाक्रांत व दलदली क्षेत्र, लवणता से प्रभावित भूमियाँ; झाड़ियों रहित भूमियाँ आदि सम्मिलित हैं।
- कुछ अन्य निम्नकोटि भूमियाँ भी हैं जैसे- स्थानांतरित-कृषि जनित क्षेत्र, क्षरित वन, क्षरित चरागाह, खनन व औद्योगिक व्यर्थ-क्षेत्र

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

## केस अध्ययन (उदाहरण)

- झाबुआ जिला मध्यप्रदेश के पश्चिमी कृषि जलवायु-क्षेत्र में स्थित है।
- हमारे देश के सर्वाधिक पाँच पिछड़े जिलों में से एक
- जनजातीय जनसंख्या (विशेषतः भील) का उच्च सांद्रण


mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- लोग गरीबी के कारण कष्ट झेल रहे हैं
- यह गरीबी जंगल एवं भूमि दोनों संसाधनों के उच्च दर से निम्नीकरण के कारण बढ़ गई है।
- यहाँ भारत-सरकार के 'ग्रामीण विकास मंत्रालय' तथा 'कृषि मंत्रालय' से जल संभर प्रबंधन कार्यक्रम हेतु फंड अनुदानित हैं जिसे झबुआ जिले में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- जल संभरण प्रबंधन कार्यक्रम भूमि, जल तथा वनस्पतियों के बीच संबद्धता को पहचानता है और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता से लोगों के आजीविका को सुधारने का प्रयास करता है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- यह निम्नीकरण को रोकने तथा भूमि की गुणवत्ता को सुधारने में सफल सिद्ध होगा।

- पिछले 5 वर्षों में, ग्रामीण विकास मंत्रालय (निधि प्राप्त राजीव गांधी मिशन) द्वारा क्रियांवित जल संभर प्रबंधन ने अकेले झबुआ की लगभग 20% भूमि का उपचार किया है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- झबुआ जिले का पेटलावाड विकास खंड ज़िले के सर्वाधिक उत्तरी छोर पर स्थित है
- ये सरकार एवं गैर सरकारी संगठनों की साझेदारी तथा समुदाय की प्रतिभागिता का सफल उदाहरण प्रस्तुत करता है।
- भील समुदाय ने अपना स्वयं का प्रयास करके साझी संपदा को पुनर्जीवित किया है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- प्रत्येक परिवार ने साझी संपदा में एक पेड़ लगाया और उसे अनुरक्षित किया।
- प्रत्येक परिवार ने चरागाह भूमि पर चारा घास को बोया और कम से कम 2 वर्षों तक उसकी सामाजिक घेराबंदी की

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- समुदाय इस चरागाह प्रबंधन प्रक्रिया की शुरुआत करते, इससे पहले ही पड़ोसी गाँव के एक निवासी ने उस पर अतिक्रमण कर लिया।
- गाँव वालों ने तहसीलदार को बुलाया और साझी ज़मीन पर अपने अधिकारों को सुनिश्चित कराया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- गाँववालों ने साझी चरागाह-भूमि पर अतिक्रमण करने वाले दोषी को अपने प्रयोक्ता समूह का सदस्य बनाकर उसे साझी चरागाह-भूमि की हरियाली से लाभांश देना आरंभ किया।